HISTORY (H)
B.A. - III
PAPER - IVth
HISTORY OF INDIA (1550-1750)
UNIT- 5th. Urban centres

B. Crafts— कला

⇒ अकबर के समय कला।
मुगलों के समय में सही मायने में स्थापत्य कला का सही अर्थ में अकबर के शासनकाल से प्रारम्भ किया। अकबर ने अपनी स्थापत्य कला में व भारतीय कला का समन्वय किया।

⇒ अकबर द्वारा बनवाये गये भवन एवं इमारतें :—
→ आगरे का कि लाल किला।
⇒ जहाँगीर महल।
- अकबरी महल।
- लाहौर का किला।
- इलाहाबाद का किला
- दीवान - ए - आम।
- जोधाबाई का किला।
- बीरबल का महल।
- पंचमहल यह सीकरी में है और हिन्दू-मुस्लिम स्थापत्य का मिश्रण।
- जामा मस्जिद, इसका निर्माण 1571 ई० में हुआ। यह फतेहपुर सीकरी का सब से

Page No.:
Date:

सर्वोत्कृष्ट उदाहरण है।

→ शेख-सलीम चिश्ती का मकबरा
यह 1571 ई० में बना इसकी कारीगरी देखने योग्य है।

⇒ जहाँगीर के समय स्थापत्य कला -
जहाँगीर को चित्रकला से ही अधिक लगाव था। इसके समय में दो इमारतें महत्वपूर्ण हैं।

i एत्माद्-उद्दौला का मकबरा -
यह मकबरा नूरजहाँ ने अपने पिता की याद में 1626 ई० में बनवाया था। यह आगरा में स्थित है और सफेद संगमरमर का बना है।

ii जहाँगीर का मकबरा -
इसे नूरजहाँ द्वारा करवाया गया था। यह लाहौर के निकट रावी नदी के किनारे शाहदरा में स्थित है।

⇒ शाहजहाँ के समय कला :-
भवन-निर्माण की दृष्टि से शाहजहाँ का मुगल काल का स्वर्ण युग था। उसके द्वारा बनवाई गई इमारतों में मौलिकता सुंदरता और कोमलता है। इन भवनों में नक्काशी व चित्रकारी विशेष है। शाहजहाँ के काल में निम्न इमारतें बनी :-

Scanned with CamScanner

Page No.:
Date:

→ आगरा में लाल किले में निर्मित इमारतें-
शाहजहाँ ने अकबर द्वारा लाल किले में लाल पत्थर से बनवाई गई इमारतों को तुड़वा कर उन्हें संगमरमर से बनवाया। ये इमारतें है दीवाने-ए-आम, दीवान-ए-खास, मच्छी भवन, शीशमहल तथा खासमहल झरोखा दर्शन और मोती-मस्जिद।

⇒ ताजमहल -
शाहजहाँ द्वारा बनवाई गई सर्वश्रेष्ठ इमारत आगरे का ताजमहल है जिसे उसने अपनी प्रिय बेगम मुमताज महल की याद में बनवाया जिसकी गणना विश्व के सात आश्चर्यजनक में की जाती है। यह 22 वर्षों में बनकर तैयार हुआ। यह भवन फारसी ढंग से बनी हुई है फिर भी बहुत ही शिल्पकला हिंदू ढंग से की है।

⇒ दिल्ली का लाल किला -
शाहजहाँ ने 1632 ई० में दिल्ली में यमुना नदी के किनारे एक विशाल किले का निर्माण करवाया। इसमें दो दरवाजे है। -इसे दीवाने-ए-खास, दीवाने-ए-आम और रंगमहल बहुत सुन्दर है।

Scanned with CamScanner

Page No.:
Date:

⇒ दिल्ली का जमा - मस्जिद :-
शाहजहाँ ने दिल्ली में लालकिले के निकट मस्जिद बनवाई। यह लाल पत्थर की बनी हुई है।

⇒ मयूर सिंहासन :-
शाहजहाँ ने मयूर की शक्ल का सिंहासन बनवाया था। यह पलंग के आकार का था तथा सोने का बना था। आकार में 3-1/2 गज लम्बा, 3/4 गज चौड़ा और 5 गज ऊंचा था। पूरा सिंहासन रत्नों से जगमाता रहता था पर आज तख्त ए-ताउस नहीं है।

⇒ औरंगजेब के समय कला :-
अपने पूर्वजों के विपरीत औरंगजेब ने, कला के प्रति विशेष कोई प्रेम प्रदर्शित नहीं किया। उसने बहुत कम इमारतें बनवाई परंतु इसमें से कोई भी उसके पिता पितामह और प्रपितामह द्वारा बनवाई इमारतें के समकक्ष नहीं है। दिल्ली की जिस इमारत से औरंगजेब का नाम संबंधित है यह लाल किले के अंदर सफेद संगमरमर की मस्जिद। औरंगजेब ने 1679 ई० में अपनी प्रिय बेगम रजिया -

Scanned with CamScanner

Page No.:
Date:

उद् - दौरानी का मकबरा दक्षिण में औरंगाबाद में बनवाया था। यह द्वितीय ताजमहल के नाम से जाना जाता है। ताजमहल की नकल होते हुए भी यह डिजाईन, कारीगरी और रचना में उसमें कहीं भी मेल नहीं है। औरंगजेब के द्वारा बनवाई गई लाहौर की बादशाही मस्जिद तथा बनारस एवं मथुरा की मस्जिद भी उल्लेखनीय है।

DR. UDAY KUMAR
DR. L.K.V.D. College Tajpur